

संपादकीय

एसआईआर और पढ़ाई

शिक्षकों की इयूटी को व्यवस्थित करने की जरूरत

देश भर में वोटर लिस्टों में संशोधन के उद्देश्य से चलाये जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन यानी एसआईआर आज प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से कड़ी जांच के दायरे में हैं। करोड़ों नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित करने के आरोप भी लगे हैं। राजनीतिक प्रतिरोध मुखर होने के बाद अब भारत के चुनाव आयोग ने राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे उन इलाकों में छूट गए और नये वोटरों को शामिल करने के लिये विशेष अभियान चलाएँ, जहाँ लिस्ट में सुधार का काम पूरा हो चुका है। निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का दायरा बहुत बड़ा है। देश में

“ निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का दायरा बहुत बड़ा है। देश में आजकल इसका तीसरा चरण चल रहा है। जिसके चलते छात्रों की पढ़ाई में आ रहे व्यवधान से समस्या जटिल हो गई है। देश में बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर यानी बीएलओ सरकारी स्कूलों के शिक्षक हैं। जिनके एसआईआर में लगे होने के कारण छात्रों की पढ़ाई पर खासा प्रतिकूल असर पड़ रहा है। मसलन, कर्नाटक में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्र मिड-टर्म परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। वजह स्पष्ट है कि उनके शिक्षक पिछले तीन महीनों से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के कार्य में ड्यूटी कर रहे हैं। जिसके चलते नियमित कक्षाएँ नहीं चल पायी हैं। इसी तरह महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से भी ऐसी ही व्यवधान की खबरें आ रही हैं। दरअसल, शिक्षक अपना काफ़ी समय वोटर वेरिफिकेशन, मीटिंग और आंकड़े जुटाने में लगा रहे हैं। बताते हैं कि मुंबई के एक स्कूल के 34 में से 24 शिक्षक बीएलओ की इयूटी कर रहे हैं। ऐसे में अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि छात्रों की पढ़ाई किस हद तक प्रभावित हो रही होगी। इसमें दो राय नहीं है कि पारदर्शी लोकेतंत्र के लिये वोटर लिस्ट में सुधार करना निश्चित रूप से जरूरी है। मकसद यही है कि कोई योग्य वोटर न छूट जाए।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश के सरकारी स्कूल पहले से ही अनेक गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता और पर्याप्त शिक्षकों के अभाव में छात्रों के दाखिले प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि देश में करीब एक लाख स्कूल सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहां छात्रों की पढ़ाई का स्तर क्या होगा, इस बात का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे वातावरण में सवाल यह है कि आने वाले दिनों में छात्रों की पढ़ाई को प्रभावित किए बिना एसआईआर का कार्य किया जा सकता है? निस्संदेह, स्पेशल इंटेंसिव रिविजन का कार्य अपने आप में लोकतंत्र में पारदर्शिता के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण कार्य है। लेकिन वहीं दूसरी ओर एक तथ्य सर्वविदित भी है कि ‘शिक्षा के अधिकार अधिनियम’ की धारा 27 शिक्षकों को पढ़ाई-लिखाई के अलावा अन्य कामों में लगाने से रोकती है। लेकिन इसके साथ ही चुनाव प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण कामों, जैसी कुछ खास स्थितियों में इसकी इजाजत दी जा सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पिछले दिनों इस बात पर बल दिया है कि स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के काम को शिक्षकों पर असहनीय बोझ नहीं बनने दिया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि तुरंत इस स्थिति में सुधार करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आने वाले दिनों में जब शिक्षक नियमित रूप से क्लास लेने लगेंगे तो नये सिरे से स्कूलों में छात्रों की पढ़ाई को सामान्य बनाया जा सकता है। हमें यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि पिछले महीनों में एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान छात्रों की पढ़ाई का जो भी नुकसान हुआ है, उसकी अविलंब भरपाई की जानी चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पढ़ाई में पैदा हुए व्यवधान से छात्रों का कोई बड़ा नुकसान न हो। दरअसल, वोटर लिस्ट की विश्वसनीयता बनाये रखना और बिना रुकावट शिक्षा का अनवरत जारी रहना, दोनों ही जनता के प्रति हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। इसका एक निष्कर्ष यह भी है कि भारत को भरोसेमंद वोटर लिस्ट तैयार करने और सुचारु रूप से चल रही क्लास के बीच, किसी एक को चुनने की स्थिति में नहीं होना चाहिए। यह स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए।

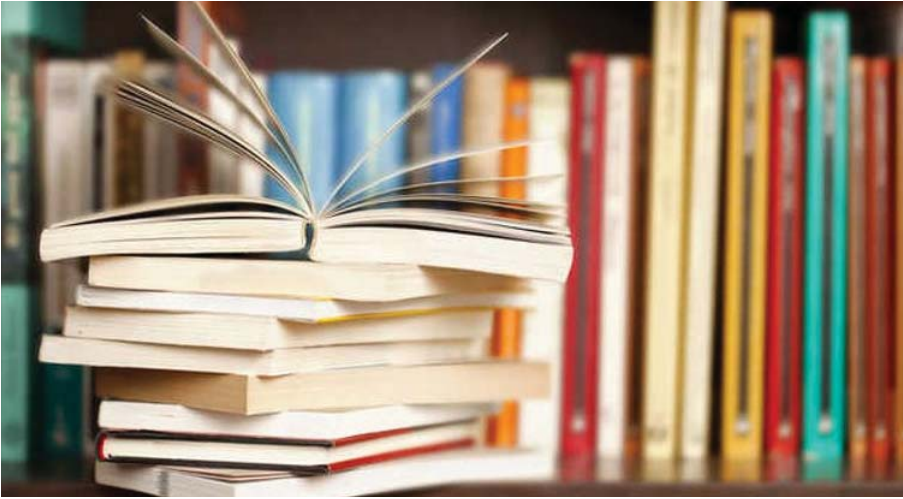
क्षमा शर्मा

ब्रिटेन की एक प्रोफेसर बारबरा सहाकियन ने अमेरिका के दस हजार बच्चों पर एक शोध किया। शोध के निष्कर्ष के तौर पर बारबरा ने बताया कि जो बच्चे छुटपन से ही शौक के लिए पढ़ने लगते हैं, बड़े होकर उन्हें दूसरों से बातचीत करने, जुड़ने और जीवन में आगे बढ़ने में बहुत सहायता मिली। उनका स्क्रीन टाइम भी कम हुआ।

अक्सर कहा जाता है कि इन दिनों लोगों की पढ़ने में दिलचस्पी नहीं रही। मोबाइल और सोशल मीडिया ने इसे और कम किया है। कुछ पहले तक किसी भी चीज पर फोकस दो मिनट कहा जाता था, अब वह चालीस सेकेंड भर का रह गया है। ऐसे में कोई मोटे-मोटे ग्रंथ क्यों पढ़े, जबकि सोशल मीडिया पर देखने-पढ़ने को इतना कुछ है। बड़ी से बड़ी किताबों के दो मिनट में पढ़े जाने वाले सारांश या रील्स और वीडियोज मौजूद हैं।

लगभग दो दशक पहले अखबारों में माना जाने लगा था कि युवा वर्ग अखबारों में छपे लंबे-लंबे लेख, कहानियाँ, संपादकीय आदि नहीं पढ़ना चाहता। उसकी भाग-दौड़ की ज़िंदगी में पढ़ने के लिए उसके पास समय नहीं है। इसलिए इनके आकार छोटे कर दिए गए। इसका कारण यह था कि बताया जा रहा था कि अपने देश में युवाओं की संख्या पैसंड प्रतिशत है। उन्हीं की जेब में पैसे हैं, इसलिए पोटेंशियल बायर और पाठक वही हैं। इसलिए जैसा वे चाहते हैं, वैसा ही किया जाए। हालाँकि, इस कारण से युवाओं ने पढ़ना शुरू किया था, यह महसूस नहीं हुआ। जबकि इसके विपरीत जमीनी हकीकत यह नजर आती रही है कि अखबारों, किताबों और पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने वाले बड़ी उम्र के लोग हैं। आज भी बुजुर्गों को बड़ी संख्या में अखबार और किताबें पढ़ते देखा जा सकता है, क्योंकि वे उन्हें विश्वसनीय मानते हैं। इसके अलावा, किताबें और अखबार पढ़ने से न आंखों पर जोर पड़ता है, न बिजली का अतिरिक्त बिल आता है। नेट चले न चले, इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता।

इन दिनों तो किताबों को ऑनलाइन फोन, लैपटॉप आदि पर आपसानी से पढ़ा जा सकता है। ऐसे में पढ़ने की दिलचस्पी क्यों कम होती जा रही है, यह सोचने की बात है। जबकि शहर-दर-शहर बड़े-बड़े पुस्तक मेले भी लगते हैं। इनमें किताबों की बिक्री भी खूब



होती है। बहुत से लोग कहते हैं कि दरअसल ज्यादा किताबें सरकारी खरीद में बिकती हैं। व्यक्तिगत और निजी बिक्री बहुत कम होती है।

हाथ-हाथ में मोबाइल आने और स्क्रीन टाइम बढ़ने के कारण दुनिया भर में चिंता प्रकट की जा रही है। इस समय को किस तरह से कम किया जाए, इस पर बहुत से विद्वान माथापच्ची कर रहे हैं। एक समय ऐसा था, जब मान लिया गया था कि हमें जीवन से कागज और किताबों की विदाई करनी है। स्क्रीन में ही हमारा भविष्य छिपा है। लेकिन अच्छे परिणाम न देखकर बहुत कुछ बदल भी रहा है। स्वीडन में लगभग पंद्रह साल पहले बिल्कुल छोटी, यानी प्राथमिक कक्षाओं में ही बच्चों को लैपटॉप दे दिए गए। उन्हें सारी पढ़ाई-लिखाई इन्हीं पर करनी थी। कक्षा से किताबों और कॉपीयों की विदाई हो गई। लेकिन पता चला कि इस कारण से बच्चों ने नया कुछ नहीं सीखा। ध्यान केंद्रित करने में कमी आई। वे आपस में एक-दूसरे से मिलने-जुलने, खेलने में कम दिलचस्पी लेने लगे और बच्चे चिड़चिड़े हो गए। उनका गुस्सा बढ़ा। वे नया कुछ सीखने से बचने लगे। बालपन में ही उन्हें गर्दन, कमर और रीढ़ की हड्डियों की समस्याओं ने घेर लिया। तब वहां की सरकार ने बाकयादा इसका अध्ययन कराया। इस अध्ययन के निष्कर्ष के आधार पर ही अब वहां के स्कूलों में कॉपी, किताबों की वापसी हो गई है। अन्य बहुत से देश भी इस बारे में सोच रहे हैं।

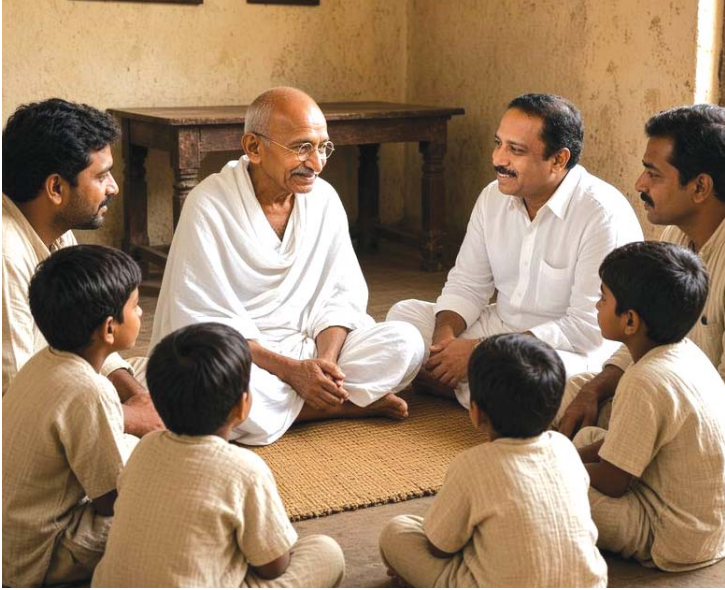
छुआछूत मिटाने का संदेश दिया गांधीजी की पाठशाला ने

विवेक शर्मा

गांधीजी ने दिल्ली स्थित मंदिर रोड के दो मंदिरों में अस्पृश्यता व जातिवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी वाल्मीकि मंदिर की पाठशाला यह कहने का तरीका था कि कोई अछूत नहीं होता। हर जाति के लिए खुला बिड़ला मंदिर उस दलील का एक हिस्सा था व वाल्मीकि मंदिर दूसरा। यानी मंदिर सबके हैं, शिक्षा सबकी है। राजधानी का मंदिर मार्ग बहुत लंबा नहीं है। करीब एक-सवा किलोमीटर होगा। यह सड़क मंदिरों से भरी है। इधर शिक्षा के मंदिर यानी स्कूल भी खूब हैं। दिल्ली की किसी और सड़क पर इतने स्कूल शायद ही हों। अजीब संयोग है। महात्मा गांधी ने इसी व्यस्त सड़क के दो मंदिरों में अस्पृश्यता और जाति की बुराई के खिलाफ लड़ाई लड़ी। मंदिर मार्ग के एक छोर पर बिरला मंदिर है तो दूसरे छोर पर वाल्मीकि मंदिर है।

क्या इतने स्कूलों ने उन्हें शिक्षक बनने की प्रेरणा दी? शायद! पक्की बात यह है कि वाल्मीकि मंदिर में रहते हुए वे शिक्षक भी बने। पूरे अर्थों में बने। आज गांधी जयंती है। बोते कुछ दिनों से उस कमरे की साफ-सफाई चल रही है जिसमें गांधी जी रहे थे। वे यहां 1 अप्रैल 1946 से 10 जून 1947 तक ठहरे। बीच-बीच में कहीं गए भी, और फिर लौटे भी। कुल दो सौ चौदह दिन यहीं बिताए।

इससे बहुत पहले उन्होंने इसी सड़क



पर एक और काम किया था। यहां 12 मार्च 1939 को उन्होंने बिड़ला मंदिर का उद्घाटन किया। शर्त साफ थी। मंदिर सबके लिए खुला रहेगा। दलित भी अंदर जा सकेंगे। दिल्ली में किसी वास्तुकार द्वारा डिजाइन किए गए इस प्रथम मंदिर का उद्घाटन करने से पहले उन्होंने यही शर्त रखी। जाति के आधार पर किसी का प्रवेश नहीं रोका जाएगा। आपको इसके मेन गेट के बाहर एक शिलापट्ट मिलेगी। उस पर साफलिका है कि यहां किसी की जाति के आधार पर प्रवेश पर रोक नहीं है।

कुछ वर्षों बाद गांधी जी वाल्मीकि

मंदिर में रहने आए। वे वाल्मीकि परिवारों के बीच मंदिर परिसर में रहे। यह समय उनके जीवन का खास अध्याय है। शायद पहली और आखिरी बार वे पूरे अर्थों में शिक्षक बने। वे जानते थे कि वाल्मीकि समुदाय का जीवन बदलने का स्थायी रास्ता शिक्षा ही है। उनके प्रति उनका भाव गहरा था। जब वे आए तब अधिकतर वाल्मीकि परिवार झुगियां में रहते थे। वे गोल मार्केट, इरविन रोड और कनॉट प्लेस के आसपास सफाई का काम करते थे।

इस समय कृष्ण विद्यार्थी वाल्मीकि मंदिर के केयरटेकर हैं। वे गांधी जी के

शिक्षक बनने की कहानी सुनाते हैं। गांधी जी जब यहां आए तो उन्हें बहुत कष्ट हुआ। इसलिए कि वाल्मीकि परिवार लगभग पूरी तरह निरक्षर थे। किसी ने स्कूल का चेहरा तक नहीं देखा था। तब उन्होंने अपने कमरे में बच्चों और बड़ों को पढ़ाना शुरू किया। वे हिंदी पढ़ाते थे। अंग्रेजी भी पढ़ाते थे। उनमें कृष्ण विद्यार्थी के पिता भी थे।

गांधी जी अपनी कक्षाओं को लेकर बहुत गंभीर थे। कक्षा रोज की प्रार्थना से पहले शुरू होती थी। पाठ खत्म किए बिना वे अक्सर बड़े नेताओं से मिलने को टाल देते थे। दीवारों पर उस समय की तस्वीरें लगी हैं। वे पीली पड़ने लगी हैं। एक पेंटिंग कमरे की असली कहानी कहती है। उसमें कई बच्चे बापू के पांवों से लिपटे हैं। चित्रकार का नाम खो गया है। पर उस कमरे का भाव नहीं खोया। फर्श पर कालीन बिछा है। बीच में लकड़ी की मेज है। गांधी जी उसी पर लिखते थे। दाईं ओर चारपाई पड़ी है। उसी पर वे सोते थे। पास में छोटा चरखा रखा है। कुछ नहीं हटाया गया। कमरा वैसा ही लगता है जैसा उनके रहने के समय था।

दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी से जुड़े ब्रदर सोलोमन जॉर्ज के मुताबिक, ‘वे महीने भारत के राजनीतिक जीवन के सबसे व्यस्त महीनों में थे। कैबिनेट मिशन दिल्ली में था। सत्ता हस्तांतरण की बातें रोज चल रही थीं। कांग्रेस नेता सलाह के लिए वाल्मीकि बस्ती आते थे। पिप भी वे उन बच्चों के साथ बैठने का समय निकालते

में मदद मिलती है।

इसी तरह हम दूसरों के लिखे से सीखकर अपनी ज़िंदगी को भी बेहतर बनाने की सोचते हैं। अकेलापन भी कम महसूस होता है, क्योंकि किताबों को मनुष्य का सबसे बेहतर दोस्त बताया जाता है। यह भी लगता है कि पढ़कर हम बहुत कुछ जान सकते हैं। अच्छी बातें भी सीख सकते हैं। पढ़ने से हमारी ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी बढ़ती है। यही नहीं, पढ़ते वक हमारा ध्यान किसी कहानी, कविता, लेख आदि में रहता है, तो दुनिया की तमाम समस्याओं और अपनी परेशानियों से भी दूर हो जाते हैं। हमारा तनाव कम होता है, किसी विषय पर फोकस करने की क्षमता भी बढ़ती है। पढ़ने के लिए किसी आयु का भी बंधन नहीं है। बालपन से लेकर बुजुर्ग अवस्था तक, पढ़ना कभी भी शुरू किया जा सकता है। कहीं भी बैठकर पढ़ा जा सकता है—घर में, पार्क में, लाइब्रेरी में, यात्राओं के दौरान।

कौन-सी किताब पढ़ें, इसके लिए हमारी रूचियां भी भिन्न हो सकती हैं। जैसे कि किसी को कहानियां पसंद हैं, तो किसी को कविताएँ, लेख। कहानियाँ, कविताओं और लेखों के भी विषय भिन्न-भिन्न हो सकते हैं। कोई हास्य कहानी पसंद करता है, तो किसी को प्रेम कथाएँ पसंद हैं। कोई जासूसी कहानियों का दीवाना है, तो किसी को खजाने की खोज संबंधी कहानियां पसंद हैं। यही हाल कविताओं का है। किसी को छंद पसंद है, तो किसी को अनुकृत कविता, हास्य कविता, प्रेम, वीर रस, पकृति से जुड़ी कविताएँ। नायकों, यात्रा वृतांत, शहरों, कस्बों, गाँवों के वर्णन आदि से जुड़ी किताबें भी बहुत से लोग पसंद करते हैं।

पढ़ने से न केवल हमारी जानकारीयाँ बढ़ती हैं, बल्कि एक किताब खत्म होने के बाद अक्सर दूसरी किताब पढ़ने का मन करता है। किताबों को आखिर हमारा सबसे बड़ा मित्र यूँ ही तो नहीं कहा जाता। हमारे समाज में तो किताब हमारे और सरस्वती के स्थान पर माना जाता है। इसीलिए यदि पुस्तक कभी नीचे गिर जाए, तो उसे उठाकर माथे से लगाया जाता है। ऑनलाइन पढ़ाई के समय में ये बातें कुछ दूर हो गई हों, लेकिन किताबें हमारे जीवन को बदल सकती हैं, परेशानियों को दूर करती हैं, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करती हैं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ईसीआई विवाद मताधिकार के अधिकार के साथ न्याय नहीं करता

विवेक काटजू

एक राष्ट्रीय दैनिक ने 23 सितंबर को एक खबर प्रकाशित की थी, जिसमें बताया गया था कि निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा लिए गए कुछ महत्वपूर्ण फैसलों पर आपत्ति जताई थी। उनकी शिकायत थी कि या तो इन फैसलों से पहले उनसे सलाह नहीं ली गई या फिर उनके विचारों के विपरीत निर्णय लिए गए।

रिपोर्ट में कहा गया था कि दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने 10 महीनों में 14 मौकों पर अपनी आपत्तियाँ दर्ज कराईं, लेकिन उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया। उनका कहना था कि कुछ महत्वपूर्ण मामलों में ईसीआई अपने ही कानून के खिलाफज्जा रहा है। कानून में प्रावधान है कि फैसले सर्वसम्मति से लिए जाने चाहिए और यदि ऐसा संभव न हो तो बहुमत का मत प्रभावी होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) केवल समान लोगों में प्रथम हैं। वह ईसीआई की शक्तियों को अपने हाथ में नहीं ले सकते।

संधू और जोशी इस बात से नाराज थे कि सीईसी ज्ञानेश कुमार ने कथित तौर पर उनकी अन्देखी की। इसलिए, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण वैधानिक मुद्दों पर आंतरिक रूप से अलग रख रखने के बावजूद उन्होंने सार्वजनिक रूप से इस प्रक्रिया का समर्थन किया।

इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि जब जून 2025 में एसआईआर का फैसला लिया गया

था, तब उन्होंने इस बात पर विचार किया हो कि बिहार और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने से पहले सभी मतदाताओं तक प्रभावी और पर्याप्त रूप से पहुंचने के लिए पर्याप्त समय था या नहीं। उन्होंने एसआईआर की उस कार्यप्रणाली में वैध आपत्ति नहीं जताई, जिसने बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं पर भारी दबाव डाल दिया। इसलिए 24 सितंबर को राहुल गांधी द्वारा अपनी प्रेस वार्ता में संधू और जोशी की आंतरिक आपत्तियों की सराहना करना जल्दबाजी थी।

उन्होंने इस बात को नजरअंजान किया कि संधू और जोशी की नियुक्ति भी उसी प्रक्रिया के तहत हुई थी, जिसके तहत कुमार की नियुक्ति हुई थी और उनकी नियुक्ति के पीछे भी विचार लागू किए गए होंगे। यह कल्पना करना कठिन था कि पद संभालने के बाद दोनों वास्तव में और सार्वजनिक रूप से कोई थॉमस बेकेट जैसा विद्रोही रख अपनाएंगे। कुमार के समान ही उनकी सोच होने की बात तब स्पष्ट हुई, जब 26 सितंबर को पूर्ण निर्वाचन आयोग की बैठक के बाद वे उनके साथ मीडिया वार्ता में शामिल हुए। बैकूट के नोट से पता चलता है कि कुमार ने अपना कठोर रख छोड़ते हुए इस बात पर सहमत जताई कि वह कानून के अनुसार दोनों निर्वाचन आयुक्तों को साथ लेकर चलेंगे। क्या किसी अदृश्य हाथ ने उन्हें उचित सलाह दी थी?

इसी तरह, क्या उसी हाथ ने संधू और जोशी को यह सलाह दी कि उन्हें सार्वजनिक रूप से निर्वाचन आयोग को शर्मिदा नहीं करना चाहिए? जाहिर तौर पर कोई समझौता हुआ।



दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने अप्रत्यक्ष रूप से फिर कहा कि एसआईआर ईसीआई का सर्वसम्मत फैसला था और एसआईआर की अवधि के लिए फॉर्म-6 में किए गए विवादास्पद अतिरिक्त प्रावधान भी वैध थे।

अब जबकि सुप्रीम कोर्ट इस बात की जांच कर सकता है कि कुछ मामलों में कुमार ने अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण तो नहीं किया, ऐसे में यह देखना बाकी है कि इस खुलासे के सीईसी और सरकार पर क्या अनपेक्षित प्रभाव पड़ते हैं। दूसरी ओर, सत्तारूढ़ पक्ष कुमार के समर्थन में और अधिक मजबूती से खड़ा होगा, क्योंकि ‘इंडिया’ गठबंधन ने उन्हें अपनी ‘वोट चोरी’ मुहिम के तहत निशाना बनाने का फैसला किया है।

कुमार कुछ सुधारात्मक कदम भी उठा रहे हैं। इसका उदाहरण उन राज्यों में मूल फॉर्म-6

को बहाल करना है, जहां एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हालाँकि, एसआईआर के दौरान फॉर्म-6 के इस्तेमाल के तरीके पर सुप्रीम कोर्ट को विशेष रूप से अपना रुख स्पष्ट करना होगा। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश ने कहा था कि ईसीआई को स्पष्ट रूप से स्वतंत्र होना चाहिए। यह तभी संभव है जब राजनीतिक वर्ग इस बात पर सहमत हो कि निर्वाचन आयुक्तों को पद छोड़ने के बाद राजनीति में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दुर्भाग्य से, अतीत का अनुभव बताता है कि ऐसा करना मुश्किल हो सकता है। कॉंग्रेस ने न केवल एक ऐसे सीईसी की नियुक्ति की थी, जिन्हें व्यापक रूप से पार्टी के प्रति सहानुभूति रखने वाला माना जाता था, बल्कि पूर्व सीईसी एम.एस. गिल को राज्यसभा सदस्य और फिर मंत्री भी बनाया था। भले ही किसी कानून का

उल्लंघन न हुआ हो, क्या यह उचित था? क्या चुनावी प्रक्रिया के अंपायरों को खिलाड़ी बना देना चाहिए?

एसआईआर को संभालने के मामले में ईसीआई कई पहलुओं पर खरा नहीं उतरा है। तार्किक विसंगतियों और मैपिंग से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए अब कुछ सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। आयोग ने कई मतदाताओं से ऐसे दस्तावेज और प्रक्रियाएँ पूरी करने को कहा, जिन्हें पूरा करना बेहद कठिन था। लेकिन वास्तविक समस्या उन लोगों की नागरिकता साबित करने से जुड़ी है, जिनका जन्म 1987 के बाद हुआ है।

यह तर्क दिया जा सकता है कि 1987 में देश द्वारा भारत में जन्म लेने वाले हर व्यक्ति को स्वतः नागरिक मानने की व्यवस्था से हटने के बाद कोई एक दस्तावेज—जैसे जन्म प्रमाणपत्र—किसी व्यक्ति की नागरिकता को निर्णायक रूप से साबित नहीं कर सकता।

वास्तव में यह भी तर्क दिया जा सकता है कि यदि किसी व्यक्ति के माता-पिता का जन्म 1987 के बाद हुआ है तो आज सभी दस्तावेजों को एक साथ रखने के बावजूद भी उसकी भारतीय नागरिकता निर्णायक रूप से साबित नहीं की जा सकती। विडंबना यह है कि केवल प्राकृतिक रूप से नागरिकता प्राप्त करने वाले लोगों के पास अपनी भारतीय नागरिकता से संबंधित निर्णायक दस्तावेज होते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर को हलकराखा है। पश्चिम बंगाल में उन मामलों से जुड़े लाखों विवादों में, जहां लोगों के नाम मतदाता

सूची से बाहर हो गए थे, न्यायालय ने निर्देश दिया कि बाहर किए जाने के खिलाफ अपीलों पर न्यायिक अधिकारी फैसला करेंगे।

जब यह बताया गया कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकती, तो मामले को सुनवाई कर रही पीठ का हिस्सा रही न्यायमूर्ति जॉनमाला बागची ने शुरुआत में टिप्पणी की थी: इस चुनाव में शायद वे (मतदाता) मतदान नहीं कर पाएंगे। मतदाता सूची में बने रहने के अधिक मूल्यवान अधिकार को सुरक्षित रखना जा जाएगा।

हाल ही में, पश्चिम बंगाल में लंबित अपीलों से संबंधित एक याचिका पर 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव से पहले तत्काल सुनवाई से इनकार करने वाली पीठ की अध्यक्षता कर रहे भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के बारे में खबर आई कि उन्होंने कहा था: वे केवल उपचुनाव हैं, बस। चुनाव से जुड़े मामलों में अदालतों का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए—‘हर चुनाव में हर मतदाता का अधिकार पवित्र है।’ भले ही मतदान का अधिकार मौलिक अधिकार न हो, लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण है कि अदालतों को इसकी पवित्रता को मान्यता देनी चाहिए। जिस नागरिक को बाद में मतदान का अधिकार रखने वाला पाया जाए, लेकिन उसे किसी चुनाव में मतदान करने से वंचित कर दिया गया हो, वह खुद को किसी कमतर दर्जे के नागरिक की तरह महसूस करेगा। क्या अदालतों को ऐसी पीछा के साथ चलना चाहिए?

लेखक विदेशी मूल्यवान लेख के पूर्व सचिव रह चुके हैं।



गांधी जयंती पर राज्यपाल डेका ने की साफ-सफाई

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के तहत लोक भवन परिसर के बाहर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने लोक भवन परिसर में स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता करते हुए स्वयं साफ-सफाई की। लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुबह परिसर के विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने झाड़ू लगाकर कचरे को एकत्रित किया तथा उसका उचित निपटान किया। श्री डेका ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि इसे हमें अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा उपस्थित रहे।

आयुष्मान भारत से विनय को गिला मुफ्त उपचार का संबल



दुर्ग। शहर के पोलसाय पारा निवासी बालक विनय उमरे को आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से राहत मिली है। बालक विनय लंबे समय से कान के पर्दे में छेद की गंभीर समस्या से जूझ रहा था। डॉक्टरों ने कान के पर्दे के ऑपरेशन की तत्काल आवश्यकता बताई थी जिसका अनुमानित खर्च लगभग 36,000 रूपए बताया गया। योजना के अंतर्गत विनय का संपूर्ण इलाज नि:शुल्क संपन्न हुआ। विनय उमरे के अभिभावकों ने कहा कि यदि आयुष्मान योजना का सहारा न मिलता, तो इस भारी राशि की व्यवस्था करना उनके लिए अत्यंत कठिन होता।

छूटे हुए पात्र मतदाताओं के पंजीकरण हेतु विशेष अभियान

बलरामपुर। जिले में छूटे हुए नागरिकों एवं नए पात्र युवा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ऐसे सभी पात्र नागरिकों और पहली बार मतदाता बनने योग्य युवाओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया को सुगम व त्वरित बनाना है, जिनके नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके हैं। नए मतदाता पंजीयन हेतु अभ्यर्थी ईसीआईनेट मोबाइल ऐप अथवा निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से फॉर्म-6 में ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

जिला लीड बैंक प्रबंधक ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बाटे खिलौने

बलरामपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक मुकुंद कुमार कर्ण ने सभी बैंकों के नोडल अधिकारियों के सहयोग से बलरामपुर क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया। पहाड़ी, कोरवा, पण्डो सहित अन्य समुदायों के बच्चों का उत्साहवर्धन करने और उनकी प्रारंभिक शिक्षा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से दल ने आंगनबाड़ी केंद्र बैंगपारा बलरामपुर, जमुआटांड नदीपारा, जमुआटांड तथा डुमखोरका पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की और उन्हें खिलौने वितरित किए।

स्वच्छता पखवाड़े के समापन पर सफाई मित्रों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर में गांधी जयंती एवं स्वच्छता पखवाड़े के समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़े के दौरान स्वच्छता, स्वच्छ परिसर एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों एवं सफाई अभियानों का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर संस्थान में कार्यरत सफाई कर्मियों एवं सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पीके राय



तथा संयुक्त निदेशकों एवं अन्य अधिकारियों ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर डॉ. एसके शर्मा ने स्वच्छता पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पखवाड़े के दौरान संस्थान परिसर

के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान, साफ-सफाई एवं जागरूकता संबंधी गतिविधियां संचालित की गईं। इन प्रयासों से स्वच्छता के प्रति संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों में जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा मिला।

संस्थान के निदेशक डॉ. पीके

राय ने कहा, महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर हम दोनों महान विभूतियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं विकसित राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला है। इसकी शुरुआत हमारे अपने घर और कार्यस्थल से होकर पूरे समाज और देश तक पहुंचनी चाहिए। संस्थान

गांधी जयंती पर किया श्रमदान : विधायक उद्धेश्वरी ने लगाया सफेद चंदन का पौधा, दीदियों को दी साड़ियां

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर जनपद पंचायत शंकरगढ़ के रीपा परिसर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का संदेश देते हुए विविध गतिविधियां आयोजित की गईं। सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा ने बापू की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया और स्वयं श्रमदान में भाग लिया।

जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, एनआरएलएम समूह की दीदियों और ग्रामीणों ने मिलकर प्रतिमा स्थल और रीपा परिसर की साफ-सफाई की तथा यह संदेश दिया कि स्वच्छता किसी एक व्यक्ति या विभाग की नहीं, पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। श्रीमती पैकरा ने परिसर में सफेद चंदन का पौधा लगाया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने



भी पौधरोपण कर उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। इस अवसर पर स्वच्छताग्रही दीदियों को विधायक ने साड़ियां भेंट कर सम्मानित किया और उनके कार्यों की सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गांधी जी के सेवा, श्रम और स्वच्छता के विचारों को जीवन में अपनाने, परिसर को स्वच्छ रखने और लगाए गए पौधों के संरक्षण का

संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शंकरगढ़ वेदप्रकाश पाण्डेय, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष अमिताभ सिंह देव, जनपद सदस्य तिलासाय, राजेश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री सहित विभागीय अधिकारी, सरपंच-सचिव, रोजगार सहायक, एनआरएलएम की दीदियां एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का उप मुख्यमंत्री साव ने किया सम्मान

- 51 लाख रुपए की सम्मान राशि का चेक सजू देवी को सौंपा
- मधु सिदार और गीता यादव को 11.12-11.12 लाख का पैकेज
- हॉकी लीग आयोजित करने वाला पहला राज्य बनेगा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार लगातार अभिनव पहल कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश में 21 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक पुरुष हॉकी लीग का आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा, जो इस तरह की हॉकी लीग का आयोजन करने जा रहा है। लीग की टैगलाइन 'चलव रे संगी हॉकी खेलबो' रखी गई है। इसमें छह टीमों हिस्सा लेंगी, जिनका नामकरण छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पहचान के अनुरूप किया गया है।

श्री साव ने बिलासपुर के बहतलाई स्थित खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर छत्तीसगढ़ और देश का गौरव बढ़ाने वाली खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में ये बातें कहीं। उन्होंने एशियन गेम्स-



2026 में कबड्डी की स्वर्ण पदक विजेता सुश्री सजू देवी तथा जूनियर हॉकी एशिया कप-2026 की स्वर्ण पदक विजेता सुश्री मधु सिदार और सुश्री गीता यादव को सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता बेलतारा विधायक सुशांत शुक्ला ने की।

समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सजू देवी के लिए पूर्व में घोषित 51 लाख रुपए की सम्मान राशि का चेक प्रदान किया गया। वहीं मधु सिदार और गीता यादव को 11 लाख 12 हजार रुपए प्रत्येक को विशेष सहायता पैकेज देने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में दोनों को इसमें से तत्काल 2-2 लाख रुपए की एकमुश्त सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। श्री साव ने तीनों खिलाड़ियों

को शाल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों में परिवार के योगदान का सम्मान करते हुए उप मुख्यमंत्री ने तीनों खिलाड़ियों के परिजनों को भी शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खेलो इंडिया उत्कृष्टता केंद्र के प्रशासनिक भवन में नवनिर्मित ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंस रूम का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि यह बिलासपुर और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए उत्साह, उत्सास और गौरव का दिन है। इन खिलाड़ियों ने इसी संस्तर में खेलना सीखा, अपनी प्रतिभा को निखारा और कठिन परिश्रम के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतकर

मुर्ता में ब्लॉक स्तरीय चित्रकला एवं भाषण स्पर्धा में उकेरा प्रधानमंत्री का सेवा संकल्प



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन की प्रेरणादायी यात्रा और उनके सेवा संकल्प को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकासखंड बेरला के हाई स्कूल मुर्ता में 'नमो सेवा की अनकही कहानियां' विषय पर ब्लॉक स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कला और विचारों के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

प्रदेश के खाद्य मंत्री दयालदास बघेल शामिल हुए। उन्होंने बच्चों द्वारा बनाई गई चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और भाषण प्रतियोगिता में बच्चों के विचार सुने। बच्चों की प्रतिभा देखकर मंत्री जी ने उनकी सराहना की और उत्साहवर्धन किया। अपने उद्बोधन में मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि आज के बच्चे ही कल के भारत की भावी पीढ़ी हैं। भारत को विश्व स्तर पर शिखर पर ले जाने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने जीवन को देश सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। चाय बेचने वाले एक सामान्य परिवार से निकलकर देश के प्रधानमंत्री

बनने तक का उनका संघर्ष, उनकी अनकही कहानियां हर युवा के लिए प्रेरणा हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 25 सेवा संकल्प - स्वच्छ भारत, आत्मनिर्भर भारत, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, डिजिटल इंडिया, पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियानों के बच्चों ने चित्रकला और भाषण के माध्यम से जिस सुंदरता से रेखांकित किया है, वह काबिले तारीफ है।

चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री जी के बचपन से लेकर जनसेवा तक के विभिन्न पहलुओं को कैनवास पर उतारा। किसी ने स्वच्छता अभियान में झाड़ू लगाते हुए मोदी जी का चित्र बनाया, तो किसी ने चंद्रशान की सफलता और आत्मनिर्भर भारत का चित्रण किया। वहीं भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने 'नमो सेवा की अनकही कहानियां' पर ओजस्वी विचार रखे। उन्होंने बताया कि कैसे मोदी जी ने बिना थके, बिना रुके 25 वर्षों तक जनसेवा को ही अपना धर्म बनाया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मंत्री श्री बघेल के हाथों पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों में राष्ट्र प्रेम, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं।



श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। इंद्रावती नदी के शांत तटों और खूबसूरत हरी-भरी पहाड़ियों के बीच बसा ग्राम ककनार अब एक नई पहचान गढ़ रहा है। कभी माओवाद के साथे और भय के माहौल में सिमटा रहने वाला यह खूबसूरत अंचल अब विकास की मुख्यधारा से जुड़कर बदलाव की नई कहानी लिख रहा है। ग्रामीणों के दरवाजे तक शासन-प्रशासन की पहुँच सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत

ककनार में सेवा संकल्प अभियान के अन्तर्गत सेवा सेतु शिविर लगाया गया, जिसमें आसपास की कुल 11 ग्राम पंचायतों को शामिल कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक विनायक गोयल ने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनसे सीधा संवाद किया। उनके साथ जनपद पंचायत लोहंडीगुड़ा के उपाध्यक्ष बसंत कश्यप, जिला पंचायत सदस्य चंद्रभान कश्यप तथा अन्य स्थानीय

जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। पंचायत एवं कृषि समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों की मौजूद रहकर शासन की योजनाओं को अब अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए सार्थक प्रयास किया।

इस विशेष शिविर में सुदूर वनांचल से आए 147 हितग्राहियों ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए अपना पंजीयन कराया। यहाँ आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, जन-धन खाता तथा प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित कार्य तत्परता से किए गए। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि शिविर में पंजीकृत सभी 147 हितग्राहियों के आवेदनों का मौके पर ही शत-प्रतिशत निराकरण कर दिया गया।

कभी हिंसा और असुरक्षा के लिए जाने जाने वाले इस इलाके में पहली बार एक ही जगह पर इतनी बड़ी संख्या में सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर संतोष और नई उम्मीद की चमक देखने को मिली।

गंजेपन से मुक्ति

मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले

बाद में

होल्दी

कट न शिने

93009-11331

रंगोली वैगलस के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0768-4060131

अनुप ट्रेडर्स

ऑर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मो. 09826389666, 8839749539

चुंबक में महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स नहीं हैं : संदीपा धर

संदीपा धर ने हाल ही में बताया कि उन्हें ‘चुंबक’ का हिस्सा बनने के लिए क्या चीज आकर्षित कर रही थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, शो में महिलाओं को जिस तरह से पेश किया गया है, वह इसकी खासियतों में से एक है। उनके लिए यह सीरीज कॉमेडी के उस आम फॉर्मेट से अलग है, जहां अक्सर पुरुष किरदारों को ज्यादातर कॉमिक मोमेंट्स मिलते हैं, जबकि महिलाओं को सिर्फ सपोर्टिंग रोल्स तक सीमित रखा जाता है।

शो को चुनने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, मैं इस शो को लेकर इसलिए उत्साहित थी क्योंकि इसमें महिलाओं को स्टीरियो टाइपिकल तरीके से नहीं दिखाया गया है। आमतौर पर कॉमेडी में पुरुषों के पास सारे कॉमिक पार्ट्स होते हैं, जबकि महिलाएं सिर्फ सपोर्टिंग कैरेक्टर्स होती हैं। लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने हेली शाह द्वारा निभाए गए ट्विंकल के किरदार का उदाहरण देते हुए शो के महिला किरदारों को लेकर किए गए इस अलग नजरिए की तारीफ की।

संदीपा ने कहा, यहां हमारे पास ट्विंकल (हेली शाह) है, जिनकी कॉमेडी शो में सबसे अव्वल है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने पारंपरिक जेंडर रोल्स से हटकर किरदारों को पेश करने के लिए किए गए प्रयास की भी सराहना की है। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सिर्फ बैठकर खाना बनाते या पुरुषों को खाना परोसते हुए नहीं दिखा रहे हैं। दरअसल, आतिश ने यह बहुत सोच-समझकर किया है।

उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि हम पारंपरिक जेंडर रोल्स को फॉलो न करें। संदीपा के लिए स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही

इसकी राइटिंग सबसे अलग और खास लगी थी। उन्होंने आगे कहा, जब मैं स्क्रिप्ट पढ़ रही थी, तभी मुझे लगा कि किसी को महिलाओं के किरदारों को इस तरह लिखते देkhना वाकई काफी रिफ्रेशिंग है। महिला किरदारों को सिर्फ पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित रखने के बजाय उन्हें कहानी में सक्रिय और कॉमिक स्पेस देने के साथ, चुंबक ने संदीपा को कॉमेडी का एक अलग नजरिया दिया, जो उन्हें पहली रीडिंग से ही काफी रिफ्रेशिंग लगा।



‘दृश्यम 3’ की दमदार शुरुआत, बनी अजय देवगन की सबसे बड़ी ओपनर



बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की फिल्म ‘दृश्यम 3’ 02 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। अजय देवगन, तब्बू और जयदीप अहलावत अभिनीत फिल्म ‘दृश्यम 3’ का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

‘दृश्यम 3’ का पहले दिन का कलेक्शन

फिल्म ‘दृश्यम 3’ की एडवांस बुकिंग में भी जमकर बिक्री हुई थी। वैसे भी ये अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म थे, जिसका अंत जानने के लिए फैंस भी बेकरार थे। रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों से वैसी ही प्रतिक्रिया मिली, जैसा अनुमान लगाया जा रहा था। फिल्म ने ओपनिंग डे पर शानदार शुरुआत की है। इसने अब तक खबर लिखे जाने तक 66.75 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। बता दें कि इसके आंकड़ों में अभी और बढ़ोतरी होगी।

अजय के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म

फिल्म ‘दृश्यम 3’ अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन गई है। इससे पहले अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म ‘सिंघम अगेन’ थी जिसने पहले दिन 43.70 करोड़ का कलेक्शन किया था। अब ‘दृश्यम 3’ ने पहले दिन 66.75 करोड़ की कमाई कर ली है। अब ‘दृश्यम 3’ अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्म बन चुकी है। रात तक इसके आंकड़ों में और भी बढ़ोतरी

हो सकती है। ग्राफिक्स के जरिए देखिए ‘दृश्यम 3’ से पहले अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली टॉप 5 फिल्में।

विजय सलगांवकर के किरदार में लौटे अजय देवगन

अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी ‘दृश्यम 3: द कन्क्लूजन’ में अजय देवगन फ्रेंचाइजी के मुख्य किरदार विजय सलगांवकर के रूप में वापसी की है। कास्ट में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी शामिल हैं। फिल्म को फ्रेंचाइजी के आखिरी चैप्टर के तौर पर पेश किया गया है।

‘दृश्यम 3’ के साथ रिलीज हुई इस फिल्म ने कितना कमाया

‘दृश्यम 3’ के साथ आज 2 अक्टूबर को वीर पहाड़िया और आफिया सैयद की फिल्म ‘प्रेम कीटाणु’ भी रिलीज हुई है। लेकिन अजय देवगन की फिल्म के आगे वीर पहाड़िया की फिल्म जैसे गायब सी हो गई है। जहां एक तरफ ‘दृश्यम 3’ की ग्रैंड शुरुआत हुई है, वहीं ‘प्रेम कीटाणु’ के लिए पहले दिन काफी खराब रहा।

फिल्म ‘प्रेम कीटाणु’ ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन महज 1.18 करोड़ की कमाई की है। अब देkhना होगा कि आने वाले दिनों में भी ‘दृश्यम 3’ का क्रेज इसी तरह बरकरार रहता है या ‘प्रेम कीटाणु’ कोई चमत्कार करती है।

डोंट ट्रबल द ट्रबल: प्रियंका चोपड़ा ने फहद फासिल की फिल्म को दिया अपना समर्थन



ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म ‘डोंट ट्रबल द ट्रबल’ को अपना समर्थन दिया है। इस फिल्म को एसएस कार्तिकेय ने प्रोड्यूस किया है और एसएस राजामौली ने इसे पेश किया है। जैसे ही फिल्म ने 2 अक्टूबर को बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की, अभिनेत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी।

प्रियंका चोपड़ा ने दी शुभकामनाएं

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, ‘इसे दुनिया के सामने आते देखकर बहुत खुशी हो रही है! कार्त, तुम्हें और ‘डोंट ट्रबल द ट्रबल’ की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं। आज ही इसे सिनेमाघरों में जाकर देखें!’

‘डोंट ट्रबल द ट्रबल’ में फहाद फासिल ने सूरी नाम के एक जादूगर का

रोल किया है। उसकी दोस्ती सारा पालेकर नाम की एक युवा लड़की से हो जाती है। कहानी में एक फैंटेसी मोड़ तब आता है, जब उस लड़की में अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं। पता चलता है कि वह एक जिन्न है जो इच्छाएं पूरी कर सकती है। यह फिल्म शशांक येलेटी के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। ‘एनिमल’ फिल्म के कलाकार सौरभ सचदेवा ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में फैंटेसी, एडवेंचर है। इसे परिवार के साथ देखने लायक बनाया गया है।

‘वाराणसी’ में प्रियंका चोपड़ा

वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनास एसएस राजामौली की फिल्म ‘वाराणसी’ के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू रूद्र के रोल में, प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे। राजामौली ने बताया है कि कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी और फिर वापस अपनी शुरुआती जगह पर लौटेगी।

कब रिलीज होगी प्रियंका की फिल्म?

राजामौली के मुताबिक यह फिल्म किसी फ्रेंचाइजी की शुरुआत नहीं, बल्कि एक स्टैंडअलोन प्रोजेक्ट है।यह फिल्म महेश बाबू और एसएस राजामौली के बीच पहला सहयोग है, जबकि प्रियंका चोपड़ा इस प्रोजेक्ट के साथ तेलुगु फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन इसमें विलेन का किरदार निभा रहे हैं। इसका संगीत एमएम कीरावनी ने तैयार किया है। ‘वाराणसी’ 7 अप्रैल 2027 को दुनिया भर में कई भाषाओं में रिलीज होगी।

क्या आप आइसक्रीम खा रहे हैं या पाम ऑयल डेजर्ट? इन तरीकों से जानें



लेबल ध्यान से पढ़ें

जब आप किसी पैकेज्ड मिठाई को खरीदने जाएं तो सबसे पहले उसका लेबल ध्यान से पढ़ें। अगर उसमें पाम ऑयल का जिक्र हो तो उसे न खरीदें। आइसक्रीम में आमतौर पर दूध, क्रीम, चीनी और फ्लेवर होते हैं, जबकि पाम ऑयल डेजर्ट में पाम ऑयल का इस्तेमाल होता है। पाम ऑयल एक प्रकार का तेल है, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए, लेबल पढ़कर ही खरीदारी करें।

बनावट और स्वाद पर गौर करें

आइसक्रीम की बनावट आमतौर पर चिकनी और मलाईदार होती है, जबकि पाम ऑयल डेजर्ट की बनावट तैलीय और भारी हो सकती है। अगर आपको किसी आइसक्रीम की बनावट तैलीय लगती है तो समझ जाइए कि वह पाम ऑयल डेजर्ट हो सकता है। आइसक्रीम का स्वाद हमेशा चिकनी और मलाईदार होता है, जिससे पता चलता है कि यह ताजा सामग्री से बनती है। इसलिए, हमेशा बनावट और स्वाद पर गौर करें और

आइसक्रीम और पाम ऑयल डेजर्ट, दोनों ही ठंडे और मीठे होते हैं। हालांकि, इनके बीच का फर्क समझना जरूरी है। पाम ऑयल डेजर्ट में अक्सर तेल का इस्तेमाल होता है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसे खाने से पेट की कई समस्याएं बढ़ सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिनसे आप आइसक्रीम और पाम ऑयल डेजर्ट के बीच फर्क समझ सकते हैं और सुरक्षित विकल्प चुन सकते हैं।

सेहत पर असर जानें

पाम ऑयल डेजर्ट सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं, क्योंकि इनमें ट्रांस फैट होते हैं, जो दिल की बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा ट्रांस फैट वजन बढ़ाने में भी योगदान देते हैं। आइसक्रीम में प्राकृतिक चीजें होती हैं, जो सेहत के लिए सुरक्षित होती हैं। इसलिए, हमेशा पैकेज्ड आइसक्रीम खरीदते समय उनकी सामग्री सूची को ध्यान से देखें और ट्रांस फैट वाले उत्पादों से दूर रहें।

खरीदारी करते समय सावधानी बरतें

बाजार या दुकान पर खरीदारी करते समय भी सावधानी बरतनी बेहद जरूरी होती है। कुछ लोग कम कीमत या आकर्षक पैकेजिंग देखकर पाम ऑयल डेजर्ट खरीद लेते हैं, जो गलत साबित हो सकता है। हमेशा गुणवत्ता और सेहत पर ध्यान दें और उसके हिसाब से ही चुनाव करें। इस तरह से आप आसानी से जान सकते हैं कि आप आइसक्रीम खा रहे हैं या पाम ऑयल डेजर्ट और सुरक्षित विकल्प चुन सकते हैं।



सेट पर घंटों बजा ट्रैक, ऐसे हुई ‘कजरा रे’ की शूटिंग 2.0 बनाने पर क्या बोले अभिषेक?

अभिषेक बच्चन ने लगभग दो दशकों के बाद फिल्म ‘बंटी और बबली’ के गाने ‘कजरा रे’ की शूटिंग का अनुभव बताया है। उन्होंने इस गाने के दोबारा बनने पर क्या कहा है, आइए जानते हैं।

साल 2005 में अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन ने फिल्म ‘बंटी और बबली’ में एक-साथ काम किया। ऐश्वर्या राय के साथ मिलकर उन्होंने फिल्म के मशहूर गाने ‘कजरा रे’ में धूम मचा दी। इसके ठीक दो साल बाद ऐश्वर्या ने अभिषेक से शादी कर ली और बच्चन परिवार का हिस्सा बन गईं। दो दशक से ज्यादा समय बीतने के बाद भी यह गाना लोगों के बीच बहुत मशहूर है। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिषेक ने इसकी शूटिंग के दिनों को याद किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या तीनों के साथ ‘कजरा रे 2.0’ बन सकता है, तो इस पर उन्होंने क्या कहा, आइए जानते हैं।

अभिषेक ने ‘कजरा रे’ के बनने के दिनों को याद करते हुए कहा, ‘मुझे नहीं लगता कि मैंने किसी और गाने की शूटिंग में ‘कजरा रे’

जितनी मजेदार शूटिंग की होगी। यह एक बड़ी और खुशमिजाज पार्टी जैसा था। हमने इसका बहुत मजा लिया। मुझे आज भी याद है कि हम शूटिंग कर रहे थे और उस दिन मेरा जन्मदिन था। सबने इसे सेलिब्रेट किया।’

उन्होंने आगे बताया कि निर्देशक शाद अली ने घंटों तक गाना बजाए रखा, जिससे सेट एक जबरदस्त डांस पार्टी में बदल गया। शाद ने कुछ ऐसे ही नैचुरल पलों को कैमरे में कैद किया और बाद में उनमें से कुछ पलों को फाइनल गाने में शामिल किया। अभिषेक बच्चन ने कहा ‘असल में, शाद ने बस गाना बजा दिया और हम लगभग चार घंटे तक डांस पार्टी करते रहे। उन्होंने असल में उस गाने के लिए बहुत सारे शॉट्स लिए थे, जिनमें हम बस मजा कर रहे थे और सेट पर मस्ती-मजाक कर रहे थे। सच कहूँ तो, यह गाना एक ‘कल्ट क्लासिक’ बन गया है। मुझे यह बहुत पसंद है। इसकी शूटिंग में बहुत मजा आया। यह बहुत अच्छी यादें और बहुत मजेदार अनुभव था।’

पिता और पत्नी को मनाना होगा

जब ‘कजरा रे 2.0’ की संभावना के बारे में पूछा गया, तो अभिषेक ने कहा कि उन्हें यह बहुत पसंद आएगा। उन्होंने आगे कहा, ‘मैं इसके

लिए तैयार हूँ। मुझे यह बहुत अच्छा लगेगा। बस आपको ऐश्वर्या और मेरे पापा को मनाना होगा।’

किसने गाया था गाना?

‘कजरा रे’ गाने का संगीत शंकर-एहसान-लॉय ने दिया था। इसे अलीशा चिनाय, शंकर महादेवन और जावेद अली ने अपनी आवाज दी थी। वैभवी मर्चेंट ने कोरियोग्राफी की थी। फिल्म ‘बंटी और बबली’ 27 मई 2005 को रिलीज हुई थी। इसमें अभिषेक बच्चन एक चालाक ठग का रोल निभाते हैं, जो रानी मुखर्जी के साथ मिलकर काम करता है। फिल्म के आखिर में एक तनावपूर्ण आमना-सामना के दौरान वे एक-दूसरे के स। म न् आते हैं।



खास-खबर

रिफॉर्म उत्सव एवं राजभाषा हिंदी पखवाड़ा-2026 का समापन समारोह आयोजित

रायपुर। भा.कृ.अनु.प –राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर में रिफॉर्म उत्सव एवं राजभाषा हिंदी पखवाड़ा–2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का समापन समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के सेवानिवृत्त प्रोफेसर प्रो. राजेश दुवे ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता की। उन्होंने राजभाषा हिंदी की महत्ता, कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और कार्यान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं तथा ऐसे आयोजन कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रुचि और कार्य-प्रयोग को बढ़ावा देते हैं।

अमृत सरोवर बना आजीविका और सशक्तिकरण का आधार

रायपुर। ग्रामीण जल संसाधनों के सदुपयोग से महिलाओं को आजीविका और उद्यम से जोड़ने की दिशा में अमृत सरोवर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत हरौंदीकरा में 10 वर्षीय लीज पर तालाब लेकर मत्स्यपालन कर रहा महिला स्व-सहायता समूह अब इस गतिविधि को आगे बढ़ाकर आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत समूह की तीन महिला सदस्यों को मत्स्य जाल और आइस बॉक्स प्रदान किए गए। विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत कुरुवा में आयोजित सेवा सेतु शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष चंद्रमणि पैकरा के मुख्य आतिथ्य में सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर जनपद पंचायत सूरजपुर की अध्यक्ष स्वाति सिंह, कृषि स्थायी समिति के सभापति यशवंत प्रताप सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बेरला कृषि मंडी में जन समस्या निवारण शिविर

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर पंचायत बेरला द्वारा कृषि उजज मंडी परिसर में भव्य जनकल्याण एवं जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर अपनी-अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को दी गई। कार्यक्रम में बेहतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सभी विभागों के स्टॉल का अवलोकन किया, योजनाओं की जानकारी ली और हितग्राहियों से सीधा संवाद किया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण और नगरवासी पहुंचे और योजनाओं का लाभ लिया।

वन्यजीव संरक्षण का संदेश लेकर गांव-गांव पहुंचेगा ‘बाघ रथ’, वन मंत्री केदार कश्यप ने दिखाई हरी झंडी

साल के अंत तक बीजापुर में इको-टूरिज्म गतिविधियां शुरू करने की घोषणा, स्थानीय युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के नए अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वनों एवं वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बीजापुर में वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ वन मंत्री केदार कश्यप ने किया। इस अवसर पर उन्होंने इन्द्रावती टाइगर रिजर्व द्वारा तैयार किए गए ‘बाघ रथ’ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ गांव-गांव पहुंचकर वन्यजीव संरक्षण, बाघों की सुरक्षा और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के प्रति लोगों को जागरूक करेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री कश्यप ने कहा कि जंगल और वन्यप्राणी हमारी अमूल्य प्राकृतिक धरोहर हैं। इनका संरक्षण केवल वन विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। वन्यजीवों की प्रभावी सुरक्षा के लिए स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ‘बाघ रथ’ के माध्यम से प्रारंभ किए गए जनजागरूकता अभियान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह पहल वनांचल के गांवों तक वन एवं वन्यजीव संरक्षण का संदेश पहुंचाएगी और लोगों को जैव विविधता के महत्व से जोड़ेगी। वन मंत्री श्री कश्यप ने बीजापुर की समृद्ध जैव विविधता का उल्लेख



करते हुए कहा कि यह क्षेत्र प्राकृतिक संपदा और विविध वन्यजीवों से समृद्ध है। यहां के जंगल और वन्यप्राणी क्षेत्र की पारिस्थितिकी के महत्वपूर्ण आधार हैं। इनके संरक्षण के साथ स्थानीय समुदाय को जोड़कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

उन्होंने वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने, जंगलों की रक्षा करने तथा मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलित सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने बीजापुर में पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि इस वर्ष के अंत तक जिले में इको-टूरिज्म गतिविधियां विधिवत रूप से शुरू

की जाएंगी। उन्होंने कहा कि बीजापुर प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों और जैव विविधता से परिपूर्ण क्षेत्र है। इको-टूरिज्म गतिविधियों के शुरू होने से यहां की प्राकृतिक धरोहर एवं नैसर्गिक सुंदरता से पर्यटक परिचित हो सकेंगे। साथ ही पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता भी बढ़ेगी।

वन्यजीव सप्ताह के शुभारंभ के साथ रवाना हुआ ‘बाघ रथ’ वन्यजीव संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से वनांचल के गांवों में जैव विविधता, बाघ संरक्षण और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का संदेश पहुंचाया जाएगा। वहीं इको-टूरिज्म गतिविधियों की शुरुआत से बीजापुर की प्राकृतिक संपदा के

इको-टूरिज्म से स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

वन मंत्री ने कहा कि इको-टूरिज्म को स्थानीय समुदाय की सहभागिता से विकसित किया जाएगा। पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे स्थानीय स्तर पर आजीविका के साधनों को मजबूती मिलने के साथ क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रकृति एवं वन्यजीवों का संरक्षण करते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना इको-टूरिज्म का मूल उद्देश्य है। इससे पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय आजीविका दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

संरक्षण के साथ स्थानीय रोजगार और आजीविका संवर्धन की नई संभावनाओं को भी बल मिलेगा। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री महेश गांगड़ा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जानकी कोरसा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पेरे पुलैया, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम गुजारी, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, डीएफओ सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 500 बुजुर्गों का शॉल-श्रीफल से सम्मान

वरिष्ठजनों का अनुभव और संस्कार समाज की अमूल्य धरोहर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत ‘नमो सेवा गाथा’ के तहत गांधी जयंती व अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर धमतरी के मेनोनाइट हायर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंक राम वर्मा ने जिले के लगभग 500 महिला एवं पुरुष वृद्धजनों से आत्मीय भेंट कर उन्हें शॉल एवं श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया।

इस दौरान मंत्री वर्मा ने विभिन्न हितग्राहीमूलक गतिविधियों के तहत 40 लोगों को स्वामित्व प्रमाण पत्र सौंपे। साथ ही दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को व्हीलचेयर व आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत आयोजित ‘आंगन मिलन सेवा’ कार्यक्रम में मंत्री वर्मा ने पांच गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी कर उन्हें पोषण किट भेंट की। उन्होंने परिसर में लगाए गए विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली और स्वास्थ्य



विभाग के स्टॉल पर स्वयं ब्लड प्रेशर की जांच भी कराई। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उनका जीवन संघर्ष और अनुभव नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान किसी एक आयोजन तक सीमित न रहकर हमारी दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि भवना के

अनुरूप केंद्र व राज्य सरकारों स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, बिजली और पेयजल जैसी सुविधाएं दे रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य में किसानों के हित में धान खरीदी, महिलाओं के लिए श्रमहतारी वंदनश् योजना और शूक पेड़ मां के नामश्रु जैसे अभियानों को प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने देहदान और अंगदान करने वाले नागरिकों के योगदान को मानवता की सर्वोच्च सेवा बताया। इसके साथ ही उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है। जब युवाओं की ऊर्जा राष्ट्र निर्माण, शिक्षा और सेवा में लगेगी, तभी एक सशक्त भारत का निर्माण होगा।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने स्कूलों में साईंश्वोर न्यूट्रिशन पायलट प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्री सत्य साईं अन्नपूर्णा ट्रस्ट के सहयोग से छत्तीसगढ़ में साईंश्वोर न्यूट्रिशन कार्यक्रम के पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ गुरुवार को किया। रायपुर जिले के तीन शासकीय विद्यालयों से शुरू किए गए इस कार्यक्रम के प्रथम चरण में लगभग 500 बच्चों को निःशुल्क पोषण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत नवीन प्राथमिक शाला नवागांव, प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल परसदा तथा शासकीय विद्यालय छेरीखेड़ी के बच्चों को साईंश्वोर न्यूट्रिशन उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली



बच्चों को नियमित पौष्टिक आहार सहयोग देकर उनके स्वास्थ्य, एकाग्रता, सीखने की क्षमता और समग्र विकास को प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर श्री सत्य साईं अन्नपूर्णा ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री आनंद कडली, शिक्षा विभाग के

अधिकारी, विद्यालयों के शिक्षक, श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल की टीम सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों को साईंश्वोर न्यूट्रिशन का वितरण कर कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की।

ट्रस्ट के अनुसार वर्तमान में देश के

25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में एक करोड़ से अधिक स्कूली बच्चों तक प्रातःकालीन पोषण सेवा पहुंचाई जा रही है। ज्ञात हो कि जुलाई 2026 में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सत्य साईं ग्राम, मुद्देनहल्ली का दौरा कर सद्गुरु मधुसूदन साईं से भेंट की थी। इस दौरान पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई थी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में साईंश्वोर न्यूट्रिशन कार्यक्रम को प्रारंभ करने की दिशा में पहल की गई।

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि पोषित बच्चा ही बेहतर सीख सकता है। रायपुर जिले में लगभग 500 बच्चों के साथ शुरू किए गए इस पायलट कार्यक्रम के अनुभवों के आधार पर भविष्य में इसे राज्य के अन्य क्षेत्रों और अधिक शासकीय विद्यालयों तक विस्तारित किया जाएगा।

गांधी जयंती पर औद्योगिक क्षेत्र में लगाए गए लगभग 100 पौधे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। गांधी एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर जिला उद्योग संघ द्वारा आज औद्योगिक क्षेत्र कोरबा में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम तथा आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने पत्तदार पौधे लगाए। इस अवसर पर औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 100 पौधे लगाए गए।

मंत्री श्री देवांगन ने उपस्थित लोगों को ‘एक पेड़ माँ के नाम’



अभियान के तहत पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल कर उसे संरक्षित रखने के लिए प्रेरित

शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग के लिए 22.08 करोड़ रुपये स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में मजबूत सड़क नेटवर्क और बेहतर कनेक्टिविटी के विस्तार पर विशेष जोर दे रही है। इसी दिशा में जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग के मजबूतीकरण एवं पुल-पुलिया निर्माण के लिए 22 करोड़ 8 लाख 59 हजार रुपये की शासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

लगभग 11.70 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मार्ग के उन्नयन से क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने के साथ ग्रामीण क्षेत्र में आवागमन की

सुविधाएं और बेहतर होंगी।

लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के मार्गदर्शन में स्वीकृत इस कार्य से शिवरीनारायण-खैरताल मार्ग को मजबूती मिलेगी। मार्ग के साथ आवश्यक पुल-पुलियों का निर्माण होने से आसपास के गांवों के लोगों को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा मिलेगी। मंत्री एवं वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के सतत प्रयासों से जांजगीर-चांपा जिले में सड़क एवं अधोसंरचना विकास के कार्यों को लगातार गति मिल रही है। मार्ग की स्वीकृति भी क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उद्योग एवं वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम

लोककला के रंगों से जन-जन तक पहुंचा योजनाओं का संदेश

सूरजपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत देवनगर एवं कोटेया में विधानसभा एवं विकासखंड स्तरीय सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। शिविर में कला जत्था के कलाकारों ने नमो सेवा गाथा के तहत कार्यक्रम प्रस्तुत कर जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वच्छता एवं नशामुक्ति का संदेश दिया। कलाकारों ने लोककला के माध्यम से भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल और रोचक ढंग से प्रस्तुत की। इसके साथ ही स्वच्छता को दैनिक जीवन में अपनाने तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविरों में कला जत्था की प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं ग्रहलत उपलब्ध यहां उचित व्याज दर पर धरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories

Shop No.3 Nafish Tower, Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai

PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

नदी में बहे दो मायूमों का शव बरामद, इलाकें में पसरा मातम

कांकेर। पखांजूर के इरपानर से पिकनिक मनाने गए 9 बच्चों में से दो बच्चे गुरुवार को बांडे नदी में बह गए थे। दोनों बच्चों का शव शुक्रवार को बरामद हुआ। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे 9 बच्चे छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा से लगे करका-बुज गांव के पास स्थित बांडे नदी पहुंचे थे। इसी दौरान साहिल वर्माण और अजित विश्वास नदी के तेज बहाव की चपेट में आकर बह गए। घटना की सूचना मिलते ही छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम और कांकेर से एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची थी। दूसरी ओर, महाराष्ट्र के कसनसूर थाने से भी रेस्क्यू टीम भी पहुंची थी। वहीं ग्रामीण सुबह से ही जाल, डंडों और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों बच्चों की तलाश में जुटे रहे। शुक्रवार को एसडीआरएफ छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की टीम ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर दो बच्चों के शवों को बरामद किया।

होटल संचालक से रंगदारी और तोड़फोड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। राजनांदगांव के चिचोला में होटल संचालक से रंगदारी और तोड़फोड़ करने वाले एक फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना में इस्तेमाल कार भी जब्त हुई। दरअसल, लालबहादुर नारन निवासी नीरज कुमार पटेल ने 18 सितंबर को शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि 7 लोग उनकी होटल में आए और चाकू दिखाकर 800 रुपए मांगने लगे। पैसे न देने पर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और होटल में तोड़फोड़ की। 19 सितंबर को पुलिस ने केशव साहू, पूरन साहू, विनोद नंदेश्वर और आकाश यादव समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। फरार तीन आरोपियों में से सचिन वर्मा को 2 अक्टूबर 2026 को पकड़ा गया। उसे अदालत में पेश कर जेल भेजा गया। कैलाश यादव और मोनु नाम के दो अन्य फरार हैं।

जुआ खेलते 11 आरोपी पकड़े गए, 22300 रुपए जब्त

जांजगीर। थाना पामगढ़ पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो प्रकरण दर्ज कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 22,300 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश और पांच बाइक जब्त की गई। कार्रवाई छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत की गई। पुलिस ने 1 अक्टूबर की देर शाम साइबर थाना और रिसॉर्स टीम के साथ संयुक्त दबिश दी। कुदरा में जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों में भूपेंद्र कश्यप, मनमोहन, बेनीराम निषाद, अमन वर्मन, मुकेश कुमार कश्यप, आशीष कुमार कश्यप, आर्यन सिंह राठौर, आलोक राठौर, राजन कुमार लहरे, सोहित कुमार कश्यप और दिनेश कश्यप शामिल हैं। सभी पर जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया।

बस्तर में नशीली कैप्सूल बेचते युवक गिरफ्तार, 2800 रुपए की 56 कैप्सूल जब्त



श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। जगदलपुर में नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नशीली कैप्सूल बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 7 पते में 56 कैप्सूल मिले हैं। जिनकी कीमत करीब 2800 रुपए बताई गई है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। आरोपी की पहचान डोंगघाट निवासी संदीप नाग (28) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक कोतवाली थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मगई कचौरा रोड स्थित गोयल बाड़ी के पास नशीली कैप्सूल बेचने के लिए खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर मुखबिर के बताए हुलिए के आधार पर संदीप नाग को पकड़ लिया।

छत्तीसगढ़ में पकड़ाया दो करोड़ का गांजा, मिर्च की बोरियों के बीच छिपाकर हो रही थी तस्करी

जशपुर जिले के तपकरा थाना क्षेत्र में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 440 किलो गांजा जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में शुक्रवार को गांजे की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की गई है। जिले के तपकरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने दो तस्करो को गिरफ्तार किया है।

दरअसल डीआईजी व एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर रोकथाम एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए ओडिशा बॉर्डर से लगे लावाकेरा पुलिस चेकिंग पॉइंट पर विशेष एंटी नारकोटिक्स टीम को तैनात किया गया है। मुखबिर से सूचना मिली कि उड़ीसा की ओर से एक वाहन में गांजा लेकर तस्कर जशपुर जिले की सीमा में प्रवेश करने वाले हैं। सूचना पर शुक्रवार को पुलिस चेकिंग बैरियर पर एंटी नारकोटिक्स टीम एवं थाना तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा ओड़ीसा की ओर से आने वाले संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। वाहन में बैठे दो व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम मो. वसीम उम्र 28 वर्ष एवं मो. आसिफ उम्र 34 वर्ष, तो दोनों निवासी ग्राम मुंडेरा, थाना दूमनगंज, जिला प्रयागराज, उत्तर



प्रदेश बताया। पुलिस टीम द्वारा ट्रक में लोड सामान के संबंध में पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि ट्रक में मिर्ची की बोरियां लोड हैं, जिन्हें वे उड़ीसा से लेकर उत्तर प्रदेश जा रहे हैं। संदेह होने पर पुलिस टीम द्वारा वाहन में लोड सामान की बारीकी से जांच की गई।

14 बोरियों में 440 पैकेट गांजा बरामद

जांच के दौरान ट्रक के ऊपर की ओर मिर्ची से भरी बोरियां मिलीं। पुलिस टीम द्वारा इन बोरियों को हटाकर नीचे रखी बोरियों की जांच की गई, तो उनमें टेप से लिपटे हुए पैकेट मिले। पैकेटों को खोलकर जांच करने पर

उनमें अवैध मादक पदार्थ गांजा पाया गया। पुलिस टीम द्वारा मौके पर गवाहों की उपस्थिति में जांच करने पर कुल 14 बोरियों में 440 पैकेट गांजा बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 440.63 किलोग्राम पाया गया। पकड़े गए दोनों व्यक्तियों से बरामद गांजे के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, लेकिन उनके द्वारा कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर पुलिस टीम द्वारा दोनों को हिरासत में लेकर उनके कब्जे से 440.63 किलोग्राम गांजा एवं तस्करी में प्रयुक्त टाटा आईसर मिनी ट्रक को विधिवत जप्त किया गया। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 02 करोड़ 20 लाख

31 हजार 500 रुपये तथा जप्त टाटा आईसर मिनी ट्रक की अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये है। इस प्रकरण मामले में पुलिस द्वारा कुल 02 करोड़ 40 लाख 31 हजार 500 रुपये की जमी की गई है। मामले में दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना तपकरा में धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच

पुलिस द्वारा मामले में गांजा तस्करी से जुड़े अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। प्रकरण में जो भी व्यक्ति संलिप्त पाया जाएगा, उसके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पकड़े गए दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जाएगा।

इस साल अब तक 22 तस्करो को भेजा गया जेल

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह का कहना है कि जशपुर पुलिस द्वारा गांजा खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत यह एक बड़ी और

गांजा बिक्री हेतु ग्राहक तलाश रहा आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। भिलाई के रुआबांधा क्षेत्र में पुलिस ने गांजा बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। दरअसल भिलाई नगर पुलिस एवं एसीसीयू टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि रुवाबांधा बस्ती तालाब के ऊपर एक व्यक्ति अपने कब्जे में गांजा रखकर बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना को रोजनामचा में दर्ज कर स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पुलिस टीम द्वारा मौके पर दबिश दी गई।



मौके से संदिग्ध व्यक्ति हरि देशमुख बजरंग नगर, कुंदरा पारा, गौरा चौरा के पास, थाना दुर्ग, जिला दुर्ग को पकड़ा गया। आरोपी को तलाशी लेने पर उसके कब्जे में रखी पुरानी बोरी के अंदर प्लास्टिक झिल्ली में लिपटा हुआ 01 किलो 260 ग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत 1,20,000 रुपये है। इसके अतिरिक्त आरोपी के कब्जे से 01 नग मोबाइल फोन, कीमत 10,000 रुपये भी जप्त किया गया। पुलिस द्वारा गांजे को विधिवत सीलबंद कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण की गई।

महत्वपूर्ण कार्रवाई है। लावाकेरा चेकिंग बैरियर पर पुलिस टीम की सतर्कता और बेहतर समन्वय से मिर्ची की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जाया जा रहा 440.63 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। जनवरी 2026 से अब तक जशपुर पुलिस द्वारा गांजा तस्करी के कुल 16 प्रकरणों में लगभग 08 करोड़ रुपये कीमत का

खनिज के अवैध परिवहन पर सख्ती रेत-पत्थर से भरे 6 वाहन जब्त



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देश पर खनिज विभाग के उड्डनदस्ता दल द्वारा ससत जांच अभियान चलाया जा रहा है। विभागीय दल ने आज विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए रेत एवं पत्थर का अवैध परिवहन करते कुल 6 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त किया।

खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार बस्ती-बगरा क्षेत्र में रेत से भरे 4 ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर सुरक्षाथं कोडगार चौकी में रखा गया है। इसी तरह सारबहरा क्षेत्र में पत्थर से भरे एक ट्रैक्टर वाहन तथा अंडी क्षेत्र में रेत से भरे एक ट्रैक्टर वाहन को जब्त

कर सुरक्षाथं अमरपुर पुलिस लाइन में रखा गया है। विभाग द्वारा सभी संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खान और खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्रकरणों में निर्धारित अर्थदंड अथवा समझौता राशि खनिज मद में जमा कराए जाने के बाद नियमानुसार वाहनों को मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनिज गतिविधियों पर ससत निगरानी रखते हुए नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं। विभागीय अमले को क्षेत्र में नियमित जांच करने तथा अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के मामलों में तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों को भी गंभीरता से लेते हुए उनकी गुणवत्तापूर्ण जांच और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आम सूचना

मैं साजन कुमार सोनकर पिता श्री नमकु सोनकर, उम्र 35 वर्ष निवासी संत रविदास नगर शारदा पारा केम्प 02, भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं जो कि निम्नलिखित कथनकर शपथपूर्वक बयान पेश करता हूं। यह कि मेरी दादी (परिचित) बैसाखिन बाई पति द्वारा का मकान- गांधी चौक शारदा पारा केम्प 02, भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित है। यह कि उपरोक्त मकान में मेरी दादी बैसाखिन बाई निवास करती थीं। जिनका देखरेख भरण पोषण मेरे द्वारा किया जाता था। यह कि बैसाखिन बाई की मृत्यु दिनांक 12/06/2026 को हो गई है। यह कि बैसाखिन बाई के यदि कोई वारिसन हो तो वह एक सप्ताह के भीतर उपरोक्त मकान हेतु दावा आपत्ति कर सकते हैं, उसके पश्चात् कोई दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी। यह कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी सही एवं सत्य है कोई जानकारी या बात छुपाया नहीं गया है यदि कोई जानकारी असत्य पायी जावेगी तो मैं शपथकर्ता स्वयं जवाबदार रहूंगा।

साजन कुमार सोनकर संत रविदास नगर शारदा पारा केम्प 02, भिलाई तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, रायगढ़ (छ.ग.)

इशतदार सर्व साधारण को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक सिद्धार्थ उदय पिता स्व. किरण कुमार उदर, उम्र -24 वर्ष, जाति- सननामी, निवासी ग्राम खारसीला, तह. धनौरा, जिला-मुंगेरी (छ.ग.) हा.मु. धनौरा, थाना पयानापुर, जिला दुर्ग (छ.ग.) एवं आवेदिका आकांक्षी उदय पिता चैराम उदय, उम्र 23 वर्ष, जाति-सननामी, निवासी ग्राम माहुद, तह. गुण्डदेही, जिला-बालोद (छ.ग.) हा.मु. मरोरा, थाना नेवई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा 5 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आशंयि विवाह की सूचना दी गई है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 26/10/2026 को 03.00 बजे मेरे न्यायालय में होगी।

उपमयक्ष के विवाह के संबंध में जिस किसी की आपत्ति/उत्तर करना हो तो वे निष्पक्षित तथि एवं समय के पूर्व स्वयं अथवा अपने अधिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निष्पक्षित समयावधि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति/उत्तर पर सुनवाई नहीं की जावेगी।

आज दिनांक 01/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, रायगढ़ (छ. ग.)

डीजल के अवैध परिवहन पर पुलिस का शिकंजा सात ड्रमों में भरा डीजल जब्त, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नॉर्थ जोन पुलिस ने डीजल के अवैध परिवहन का मामला पकड़ा है। खमतराई थाना पुलिस ने 7 ड्रमों में भरा करीब 1,400 लीटर डीजल जब्त किया है। इस मामले में परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे टाटा इंद्रा वाहन समेत करीब 6.40 लाख रुपये का मशरूका जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन दीपमाला कश्यप के निर्देशन और एसीपी उरला पूर्णिमा लामा के मार्गदर्शन में थाना खमतराई पुलिस क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी और कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 1 अक्टूबर 2026 को टाउन भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि भनपुरी की ओर से खमतराई की तरफआने वाले एक मेटाडोर वाहन में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ डीजल लाया जा रहा है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराने के बाद थाना खमतराई पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए वाहन की घेराबंदी कर चेकिंग की।



7 ड्रमों में मिला 1,400 लीटर डीजल

चेकिंग के दौरान टाटा इंद्रा वाहन के पीछे 7 बड़े लोहे के ड्रम रखे मिले। पुलिस के मुताबिक, जांच करने पर प्रत्येक ड्रम में करीब 200-200 लीटर डीजल भरा पाया गया। इस तरह कुल करीब 1,400 लीटर डीजल बरामद हुआ।

पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम विजेन्द्र सिंह यादव (50), पिता शिव लगन सिंह यादव, निवासी नोनोयारीचक, पोस्ट दौलतपुर, थाना भगवानगंज, जिला पटना, बिहार, हाल निवासी उमेश साव का ढाबा, ग्राम भैमता, थाना तिल्टदा, जिला रायपुर बताया।

पुलिस के अनुसार, डीजल के

2 साल बाद खुला महिला की हत्या का राज, नाखूनों में मिले डीएनए से हत्यारों तक पहुंची पुलिस, 3 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में करीब दो साल पहले हुई महिला की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रायपुर नॉर्थ जोन पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर हत्याकांड का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मुक्तिका के नाखूनों में मिले बायोलॉजिकल सैंपल की डीएनए प्रोफाइलिंग कराई गई थी। बाद में संदिग्धों के डीएनए सैंपल का सुरक्षित डीएनए प्रोफाइल से वैज्ञानिक मिलान कराया गया, जिसमें तीनों आरोपियों का डीएनए मैच होना सामने आया।

यह पूरा मामला खमतराई थाना क्षेत्र का है, जहां 21 अगस्त 2024 को लता साहू (40) की हत्या हुई थी। उस समय आरोपी अज्ञात थे। पुलिस ने घटना की विवेचना के दौरान मुक्तिका के हाथों के नाखूनों से मिले बायोलॉजिकल



सैंपल डीएनए प्रोफाइल तैयार कराया था।

डीएनए मिलान से आरोपियों तक पहुंची पुलिस

वर्ष 2026 में मामले की विवेचना के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने के बाद उनके डीएनए सैंपल लिए गए। पुलिस के अनुसार, पूर्व में सुरक्षित डीएनए प्रोफाइल से वैज्ञानिक मिलान करने पर तीनों आरोपियों का डीएनए मुक्तिका के नाखूनों से प्राप्त बायोलॉजिकल सैंपल से मैच होना सामने आया। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की।



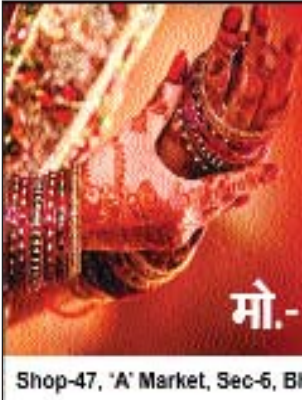
Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Aksah Ganga,
Supela, Bhilai

Helllo: 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329



मिलाने की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)



भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास-खबर



सेवा संकल्प : कोहकामेटा में शिक्षकों का अनूठा नवाचार
नारायणपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत संचालित ‘नमो सेवा - अनकही कहानियाँ’ कार्यक्रम के अंतर्गत नारायणपुर जिले के सुदूर क्षेत्र कोहकामेटा में शिक्षकों ने मंच पर उतरकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं के प्रति जागरूक किया। शिक्षकों ने अपने प्रभावशाली अभिनय, सहज-सरल संवादों और रचनात्मक प्रस्तुति से योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता एवं उनसे मिलने वाले लाभों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुँचाई।

बेटी की आगे की पढ़ाई के लिए पूर्णिमा की मिली सहायता
कोरबा। पं. रविशंकर नार निवासी पूर्णिमा और अशोक वर्मा अपनी बेटी को आगे पढ़ाना चाहते थे। पूर्णिमा और अशोक रेखा-कुली का काम करते हैं। पूर्णिमा वर्मा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत श्रमिक हैं। श्रम विभाग से उन्हें मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत पहली बेटी के लिए 20 हजार रुपये की सहायता राशि प्राप्त हुई। इस सहायता से उन्हें बेटी की शिक्षा का खर्च उठाने में मदद मिली।

न्यायाधीशों ने की बंदियों की रंगोली कला की सराहना
कोरबा। गांधी जयंती के अवसर पर उप जेल कटघोरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। बंदियों द्वारा रंगोली बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। निर्मित रंगोलियों का न्यायाधीशों ने निरीक्षण किया तथा बंदियों द्वारा प्रस्तुत रचनात्मक गतिविधि की सराहना की गई। उपरोक्त कार्यक्रम में शीलू सिंह द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश कटघोरा, हेमंत रात्रे तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश, लोकेश पटेल प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, आदि उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर राज्य स्तरीय खादी सम्मेलन एवं ग्रामोद्योग सम्मेलन

खादी एवं स्थानीय उत्पादों के उपयोग से रोजगार सृजन के साथ ही आत्मनिर्भर होगा भारत : यादव

- खादी वस्त्रों पर 31 मार्च 2027 तक मिलेगी 25 प्रतिशत छूट
- रेशम विभाग ने ‘अमारी सिल्क’ ब्रांड का किया अनावरण
- बस्तर के नवसल मुक्त क्षेत्रों में नए बुनाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में प्रदेश स्तरीय खादी सम्मेलन एवं ग्रामोद्योग विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता ग्रामोद्योग एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने की। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 02 अक्टूबर 2026 से 31 मार्च 2027 तक खादी वस्त्रों पर 25 प्रतिशत विशेष छूट दी जा रही है।

कार्यक्रम में खादी को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ‘सेल्फी विद खादी’ अभियान का भी शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर खादी उत्पादन केंद्र कूवरगढ़, जिला रायपुर के नवनिर्मित भवन और अंबिकापुर के नवनिर्मित प्रीमियम सेल्स आउटलेट का वर्युअल शुभारंभ किया गया। हाथकरघा प्रभाग द्वारा बस्तर के नक्सल मुक्त क्षेत्रों में नए बुनाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू किए गए। रेशम प्रभाग ने ‘अमारी सिल्क’ ब्रांड तथा बस्तर संभाग में स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शिक्षा एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री यादव ने कहा कि हमको स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘वोकल फॉर लोकल’ संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में निर्मित वस्तुओं की खरीद से स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, उत्पादकों और व्यापारियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने



महात्मा गांधी के स्वदेशी विचारों का उल्लेख करते हुए खादी और स्थानीय उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग पर जोर दिया। कोसा को उच्च गुणवत्ता वाला विशिष्ट उत्पाद बताते हुए उन्होंने इसके व्यापक प्रचार-प्रसार और उपयोग की आवश्यकता बताई। स्वदेशी वस्तुओं की प्राथमिकता देकर आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामोद्योग की विभिन्न गतिविधियों को एकीकृत करते हुए स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों,

बुनकरों, उत्पादन एवं विपणन समितियों को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। विशेष रूप से बुनकर समितियों और उनसे जुड़े परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहतर करने, उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने तथा लोगों को स्वदेशी वस्तुओं की खरीद के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की गई। छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडेय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के गौरवशाली इतिहास और

खादी और चरखा रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम : लक्ष्मी राजवाड़े



महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार और उनके दिखाए मार्ग आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। गांधीजी ने खादी और चरखे को केवल वस्त्र निर्माण का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे स्वावलंबन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ा। खादी का उपयोग बढ़ने से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और कारीगरों तथा इससे जुड़े परिवारों को आजीविका मिलती है। बड़े परिवर्तन केवल बड़े कदमों से ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सार्थक प्रयासों से भी संभव होते हैं। इसी भावना के अनुरूप लोगों से खादी को अपनाने, उसके उपयोग को प्रोत्साहित करने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ राज्यपाल के नेतृत्व में निकली पदयात्रा

सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधियों के साथ विद्यार्थी भी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शनिवार को राजधानी रायपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत नशा मुक्त भारत के संकल्प के साथ पदयात्रा आयोजित की गई। राज्यपाल रमेन डेका पदयात्रा में शामिल हुए और नागरिकों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया।

राज्यपाल श्री डेका ने टाउन हॉल परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इसके बाद उन्होंने टाउन हॉल से शुरू हुई पदयात्रा में सहभागिता की।

पदयात्रा के दौरान भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर भी

माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया।

टाउन हॉल रायपुर से प्रारंभ होकर पदयात्रा अंबेडकर चौक पहुंची, जहां राज्यपाल श्री डेका ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए सामूहिक सहभागिता और जनजागरूकता को महत्वपूर्ण बताया।

पदयात्रा में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, सुनील सोनी सहित बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, विद्यार्थी और शहर के नागरिक शामिल हुए। पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का स्लोगन लगाते हुए स्वयं भी पालन का संकल्प लिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत खिलौना एवं वस्त्र दान अभियान

एमसीबी। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों एवं परिवारों तक सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से खिलौना एवं वस्त्र दान अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला प्रभारी एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने हरी झंडी दिखाकर दान सामग्री के संग्रहण एवं वितरण के लिए वाहन को रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी उपस्थित रहे। अभियान का उद्देश्य समाज के सक्षम नागरिकों को सेवा और सहयोग से जोड़ते हुए जरूरतमंद बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना तथा जरूरतमंद परिवारों को वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों में उपयोग योग्य अतिरिक्त खिलौने, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक सामग्री जरूरतमंदों के लिए दान करें।

सेवा की कहानी

कुदरीडीह की स्वेच्छाग्रही दीदियों ने बेचा 650 किलो कचरा

- बिक्री योग्य कचरे से निकली आजीविका की राह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। घरों से निकलने वाला कचरा अगर सही तरीके से एकत्र हो और उसकी व्यवस्थित छंटाई की जाए तो वही कचरा उपयोगी संसाधन बन सकता है। सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड की ग्राम पंचायत कुदरीडीह में स्वेच्छाग्रही दीदियां इसी सोच को जमीन पर उतार रही हैं। घर-घर से कचरा संग्रहण और सेग्रीगेशन शेड में उसकी छंटाई के बाद दीदियों ने 650 किलोग्राम बिक्री योग्य कचरे की बिक्री की है। इससे गांव में स्वच्छता बनाए रखने के साथ कचरे से आय की संभावनाओं को भी आधार मिल रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की कड़ी में कुदरीडीह की स्वेच्छाग्रही दीदियां गांव की



स्वच्छता व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण से लेकर उसकी छंटाई और बिक्री योग्य सामग्री को अलग करने तक की प्रक्रिया में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

ग्राम पंचायत में घरों से निकलने वाले कचरे को इधर-उधर फेंकने के बजाय

स्वेच्छाग्रही दीदियों द्वारा नियमित रूप से एकत्र किया जा रहा है। एकत्र कचरे को सेग्रीगेशन शेड तक पहुंचाने के बाद उसकी अलग-अलग श्रेणियों में छंटाई की जाती है। इस प्रक्रिया में बिक्री योग्य सामग्री को अन्य कचरे से अलग किया जाता है। इसी व्यवस्था के तहत छंटाई के बाद अब तक

कुल 650 किलोग्राम कचरे की बिक्री की गई है। इससे कचरे के व्यवस्थित प्रबंधन के साथ गांव को स्वच्छ रखने में भी मदद मिल रही है। कुदरीडीह की पहल यह दिखाती है कि घरों से निकलने वाला कचरा केवल निस्तारण की समस्या नहीं, बल्कि उचित संग्रहण और छंटाई के बाद उपयोगी संसाधन भी बन सकता है। बिक्री योग्य कचरे से प्राप्त राशि स्वच्छता गतिविधियों से जुड़े आर्थिक पक्ष को भी मजबूती देती है।

कचरे को एकत्र करने, अलग-अलग छंटने और बिक्री योग्य सामग्री को उपयोग में लाने की यह व्यवस्था गांव में बेहतर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में उपयोगी पहल बन रही है। घर-घर कचरा संग्रहण से गांव में कचरे के बिखराव को कम करने में मदद मिल रही है, वहीं छंटाई के बाद बिक्री योग्य सामग्री का उपयोग सुनिश्चित हो रहा है।

कुदरीडीह की यह ‘सेवा की कहानी’ स्वच्छता, सामुदायिक भागीदारी और कचरे से आय की संभावनाओं का उदाहरण है।

गांधी-शास्त्री को मुख्यमंत्री साय ने किया याद

सत्य, अहिंसा और सादगी के आदर्श सदैव राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देते रहेंगे

श्रीकंचनपथ समाचार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और मानवता के मार्ग पर चलते हुए पूरी दुनिया को गांति और सद्भाव का संदेश दिया। उनके विचारों में समाज के अंतिम व्यक्ति के कल्याण और आत्मनिर्भर भारत की भावना

निहित थी। उनका जीवन हमें सत्य के मार्ग पर अडिग रहते हुए समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री लाल बहादुर शास्त्री का सादगीपूर्ण जीवन, दृढ़ नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका दिया ‘जय जवान-जय किसान’ का मंत्र देश की सुरक्षा और समृद्धि में हमारे जवानों तथा किसानों के अमूल्य योगदान को रेखांकित करता है।

सेवा मेरा योगदान : हसदेव नदी के डोंगा घाट में हुआ सामूहिक श्रमदान

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत जांजगीर-चांपा जिले में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी का संदेश दिया गया। ‘सेवा मेरा योगदान’ पहल के तहत हसदेव नदी के तट स्थित डोंगा घाट में विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर जन्मेजय महाबे ने सबके साथ श्रमदान कर नदी तट को साफ-सफाई की।

अभियान के दौरान डोंगा घाट परिसर एवं हसदेव नदी तट के आसपास सामूहिक रूप से साफ-सफाई की गई। जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए सार्वजनिक स्थलों एवं जल स्रोतों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया। नागरिकों ने भी स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा बनाए रखने का संकल्प लिया।

कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपने घर, आसपास के क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों और नदी तटों को स्वच्छ रखने तथा कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की।

सेवा मेरा योगदान

पुसौर में लगा विशाल नेत्र जांच शिविर 3493 लोगों की हुई जांच

- 800 लोगों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण
- वित्त मंत्री ने हितग्राहियों को अपने हाथों से पहनाया एरमा
- सेवा को जरूरतमंदों तक पहुंचाने का बनाया माध्यम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ‘सेवा मेरा योगदान’ पहल के तहत रायगढ़ जिले के पुसौर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को विशाल निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिले के विभिन्न गांवों से पहुंचे 3493 लोगों की नेत्र जांच की गई। जांच के बाद 3165 जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे तथा करीब 800 लोगों को निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई।

शिविर में 14 पंजीयन कार्डर बनाए गए थे। 10 से अधिक नेत्र विशेषज्ञों के साथ 38 नेत्र सहायकों ने जांच में सहयोग किया। सुबह 9 बजे से एनएसएस और स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने वालंटियर के

अवलोकन कर नेत्र जांच, चश्मा वितरण एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

श्री चौधरी ने कहा कि आंखों की समय पर जांच बेहद जरूरी है। विशेषकर बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्या कई बार समय पर सामने नहीं आती और इसका असर उनकी पढ़ाई पर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि उन्हें भी 12वीं कक्षा तक अपनी आंखों की कमजोरी का पता नहीं चला था। जांच कराने पर चश्मे की जरूरत सामने आई। उन्होंने कहा कि बीमारी के लक्षण सामने आने का इंतजार करने के बजाय समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने का आदत विकसित करनी

एक ही स्थान पर मिल सकें। वित्त मंत्री ने शिविर को सफल बनाने में योगदान देने वाले चिकित्सकों, नेत्र सहायकों, स्वास्थ्य विभाग, एनएसएस, स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों और प्रशासनिक अमले की सराहना की। उन्होंने हितग्राहियों को अपने हाथों से चश्मे पहनाए तथा पांच हिसागिरियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए। उन्होंने सुबह से सेवा में जुटे चिकित्सकों को प्रशस्ति पत्र और शाल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर वन विभाग की ओर से पीपल के पौधे भी वितरित किए गए।

कलेक्टर श्री मयंक चव्वेदी ने बताया कि शिविर को लेकर पिछले सात दिनों से ग्राम पंचायतों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। जिले की 550 से अधिक ग्राम पंचायतों से लोगों को शिविर तक लाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई। निजी चिकित्सकों को भी शिविर से जोड़ा गया, जिन्होंने सुबह से लगातार अपनी सेवाएं दीं।

कलेक्टर ने बताया कि जिले के शासकीय स्कूलों में अध्ययनरत करीब 45 हजार बच्चों की नेत्र जांच भी की जा रही है। कई बार बच्चे की आंख कमजोर होने के बावजूद उसे समय इसका पता नहीं होता। ऐसे में स्वयं पर जांच कर समस्या की पहचान करना जरूरी है। उन्होंने पालकों से बच्चों के साथ प्रतिदिन कुछ समय उनकी पढ़ाई और स्कूल में आने वाली परेशानियों के संबंध में बातचीत करने की अपील की।

शिविर में पहुंचे ग्रामीणों ने निःशुल्क नेत्र जांच और तत्काल चश्मे की सुविधा मिलने पर खुशी जताई।

रूप में पंजीयन से लेकर जांच और चश्मा वितरण तक लोगों की सहायता की। शिविर में आने वाले लोगों के लिए छाया, पेयजल, भोजन एवं स्वच्छाहार की भी व्यवस्था की गई थी।

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने शिविर का

चाहिए। आंखों और दांतों की जांच के साथ शरीर के अन्य स्वास्थ्य परीक्षणों को लेकर भी जागरूकता जरूरी है।

श्री चौधरी ने कहा कि गांवों में ऐसे शिविरों की आवश्यकता है, जहां लोगों को जांच, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक सुविधाएं